चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 22 अगस्त 2026, अंक –342.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

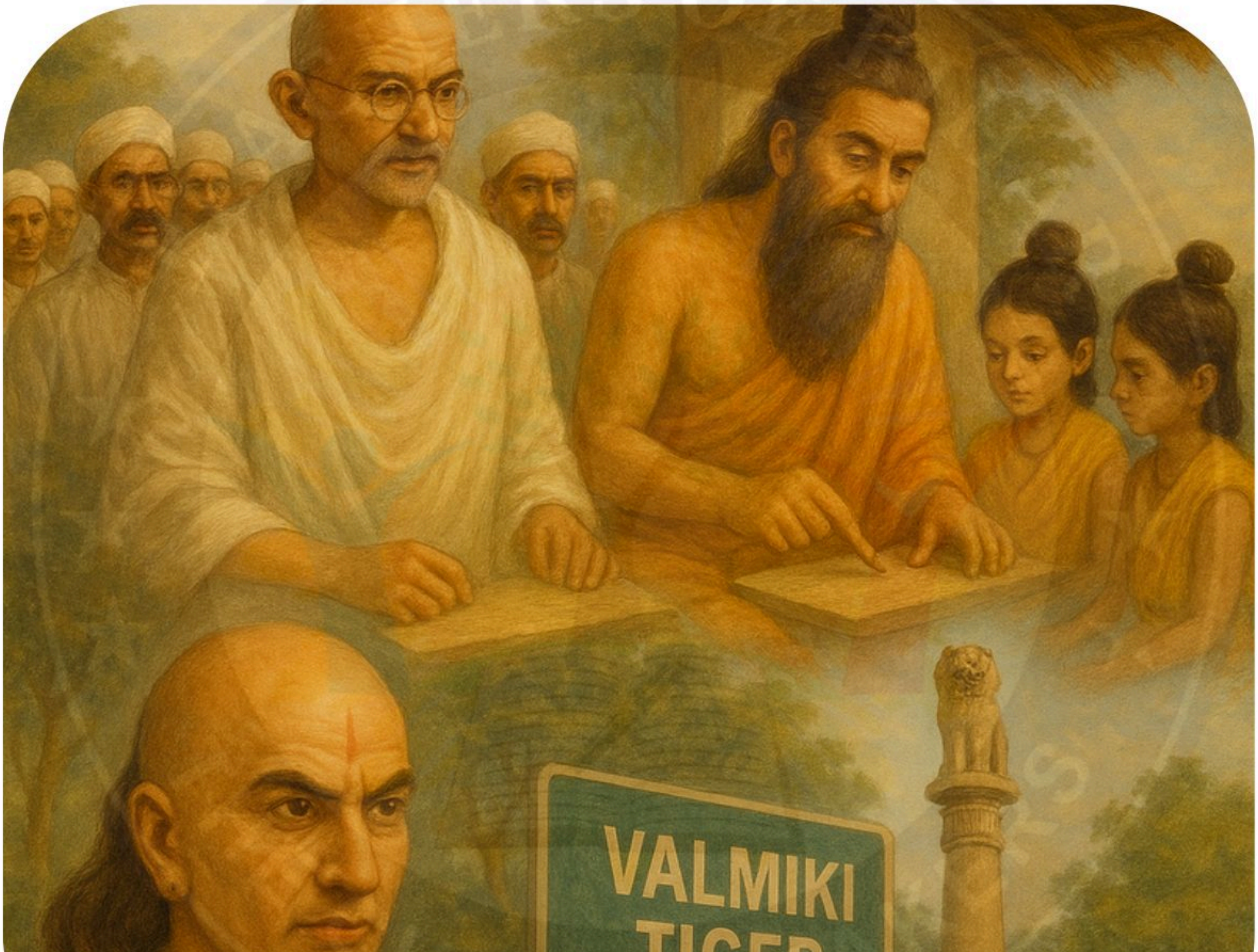

"मस्तिष्क एक खाली बर्तन नहीं है जिसे भरना है, बल्कि
एक आग है जिसे जलाना है।"

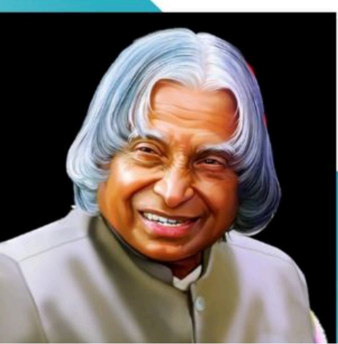

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक
उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Saturday Prayer

बिहार राज्य प्रार्थना

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे,
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे।

वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की,
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे।

मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक,
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे।

इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ,
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे।

आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम,
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे।

दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार,
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे।

जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय
बिहार...!

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

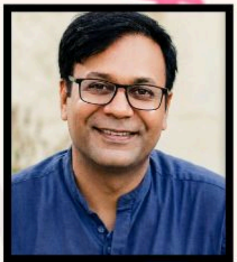

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह —
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. ब्राज़ील की राजधानी क्या है?
उत्तर: ब्रासीलिया
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला न्यायाधीश कौन थीं?
उत्तर: अन्ना चांडी
प्रश्न 3. 'नाटी' किस राज्य का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: हिमाचल प्रदेश
प्रश्न 4. 24 और 36 का महत्तम समापवर्तक (HCF) क्या है?
उत्तर: 12
प्रश्न 5. बिहार का प्रसिद्ध 'बुद्ध अवशेष स्तूप' किस जिले में स्थित है?
उत्तर: वैशाली
प्रश्न 6. भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव कौन-सा है?
उत्तर: गंगा डॉल्फिन
प्रश्न 7. रेडियम की खोज किसने की थी?
उत्तर: मैरी क्यूरी
प्रश्न 8. राज्यसभा के एक सदस्य का सामान्य कार्यकाल कितने वर्ष का होता है?
उत्तर: छह वर्ष
प्रश्न 9. 'नौ दो ग्यारह होना' मुहावरे का अर्थ क्या है?
उत्तर: भाग जाना
प्रश्न 10. पौधों में बीज बनने के बाद उससे नया पौधा बनने की प्रक्रिया क्या कहलाती है?
उत्तर: अंकुरण

संकलन:-
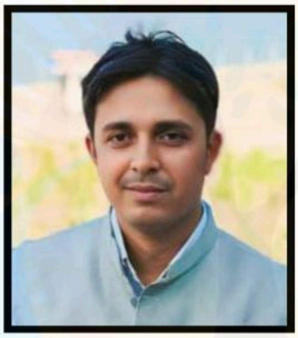
पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Fence – (फेन्स) – बाड़
Gate – (गेट) – फाटक
Pathway – (पाथवे) – रास्ता / पगडंडी
Driveway – (ड्राइववे) – वाहन आने-जाने का रास्ता
Courtyard – (कोर्टयार्ड) – आँगन
Terrace – (टेरस) – छत / खुली छत
Canopy – (कैनपी) – छाजन / शामियाना

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: Simple Future Tense – "कितने ... करोगे/करोगी?" (How many will you ...?)

तुम कितनी किताबें पढ़ोगे/पढ़ोगी? – How many books will you read?
तुम कितने सवाल हल करोगे/करोगी? – How many questions will you solve?
तुम कितने आम खरीदोगे/खरीदोगी? – How many mangoes will you buy?
तुम कितने दोस्त बुलाओगे/बुलाओगी? – How many friends will you invite?
तुम कितने पन्ने लिखोगे/लिखोगी? – How many pages will you write?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 22 अगस्त को विश्व स्तर पर कौन-सा अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है और इसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा किस उद्देश्य से स्थापित किया गया? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: धार्मिक हिंसा पीड़ितों का अंतरराष्ट्रीय स्मरण दिवस
व्याख्या: प्रतिवर्ष 22 अगस्त को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा घोषित "धर्म या विश्वास के आधार पर हिंसा के कृत्यों के पीड़ितों की स्मृति में अंतरराष्ट्रीय दिवस" (International Day Commemorating the Victims of Acts of Violence Based on Religion or Belief) मनाया जाता है। इसे 2019 में महासभा के संकल्प 73/296 के माध्यम से अपनाया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य दुनिया भर में धार्मिक अल्पसंख्यकों तथा किसी भी धर्म या आस्था के अनुयायियों के विरुद्ध होने वाले घृणा अपराधों, असहिष्णुता, मानवाधिकार उल्लंघनों एवं आतंकवादी कृत्यों के शिकार हुए निर्दोष लोगों के प्रति एकजुटता प्रदर्शित करना है।
संदर्भ: UN General Assembly Resolution A/RES/73/296;

प्र.2. अगस्त 2026 में भारत के किस अंतरिक्ष मिशन ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर जल-बर्फ और हाइड्रॉक्सिल अणुओं के वितरण के नए खनिज मानचित्र जारी किए? (समसामयिक घटना)
उत्तर: चंद्रयान-3 मिशन (ISRO)
व्याख्या: अगस्त 2026 में इसरो (ISRO) ने चंद्रयान-3 के रोवर 'प्रज्ञान' और लैंडर 'विक्रम' के अत्याधुनिक पेलोड्स से प्राप्त डेटा के आधार पर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के स्थायी रूप से छायादार क्रेटरों (PSRs) में उपसतही जल-बर्फ और खनिज संरचना के अत्यधिक सटीक 3D वितरण मानचित्र प्रकाशित किए। यह शोध भविष्य के 'चंद्रयान-4' सैंपल रिटर्न मिशन और वैश्विक चंद्र अन्वेषण कार्यक्रमों (जैसे आर्टेमिस) के लिए जल निष्कर्षण तथा इन-सीटू रिसोर्स यूटिलाइजेशन (ISRU) की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।
संदर्भ: ISRO Press Release & Data Repository August 2026;

प्र.3. प्रसिद्ध पर्यावरणविद् एवं दार्शनिक डॉ. वंदना शिवा द्वारा लिखित कौन-सी कालजयी पुस्तक अंधाधुंध औद्योगिकीकरण और प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के विरुद्ध पारिस्थितिक न्याय की वकालत करती है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: मेकिंग पीस विद द अर्थ (Making Peace with the Earth)
व्याख्या: 'मेकिंग पीस विद द अर्थ' डॉ. वंदना शिवा द्वारा रचित एक अत्यंत प्रभावशाली पुस्तक है, जो आधुनिक विकास मॉडल, कॉरपोरेट लालच और अंधाधुंध प्राकृतिक दोहन द्वारा पृथ्वी के पारिस्थितिक तंत्र पर किए जा रहे हमलों का गहरा विश्लेषण करती है। लेखिका इसमें "जैव-विविधता संरक्षण", "खाद्य संप्रभुता", "बीज स्वराज्य" और पारंपरिक भारतीय ज्ञान प्रणाली को पुनः स्थापित करने का आह्वान करती हैं। यह पुस्तक वैश्विक पर्यावरण नीतियों, सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) तथा जलवायु न्याय पर विमर्श के लिए वैश्विक स्तर पर प्रमाण के रूप में उद्धृत की जाती है।
संदर्भ: 'Making Peace with the Earth' by Vandana Shiva, Penguin Books; UPSC GS-III Environment & Ecology Literature Reference;

प्र.4. राजस्थान के अलवर जिले में स्थित 'सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान' मुख्य रूप से किस संकटग्रस्त वन्यजीव के संरक्षण हेतु प्रोजेक्ट टाइगर के अंतर्गत स्थापित किया गया है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: रॉयल बंगाल टाइगर (बाघ)
व्याख्या: सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान राजस्थान के अरावली पर्वतमाला क्षेत्र में स्थित एक प्रमुख वन्यजीव अभयारण्य है, जिसे 1978 में 'प्रोजेक्ट टाइगर' के तहत टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था। यह शुष्क पर्णपाती वनों और कंटीले जंगलों का विशिष्ट पारिस्थितिक तंत्र है। 2004-2005 में अवैध शिकार के कारण यहाँ बाघ विलुप्त हो गए थे, जिसके बाद रणथंभौर से बाघों का सफल पुनर्वास (Relocation) कर इसे पुनर्जीवित किया गया। यह जैव-विविधता संरक्षण और वैज्ञानिक वन्यजीव प्रबंधन का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 10 (समकालीन भारत-2), Ch 2 "वन एवं वन्य जीव संसाधन", p. 16–20;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान बिहार के जगदीशपुर (शाहाबाद) क्षेत्र में ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध सशस्त्र विद्रोह का नेतृत्व किसने किया था? (इतिहास)
उत्तर: वीर कुंवर सिंह
व्याख्या: 1857 के महान राष्ट्रीय विद्रोह में बिहार के आरा (भोजपुर जिला) के जगदीशपुर रियासत के उज्जैनिया परमार राजपूत जमींदार बाबू वीर कुंवर सिंह ने अदम्य साहस का परिचय दिया। लगभग 80 वर्ष की वृद्धावस्था में उन्होंने ब्रिटिश सेनापति ली ग्रैंड और डनलप की सेना को छापामार युद्ध नीति से परास्त किया। अपनी बांह में गोली लगने पर उन्होंने स्वयं उसे काटकर गंगा मैया को समर्पित कर दिया था। बिहार में 23 अप्रैल को उनके विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है।
संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद", p. 55–58;

प्र.6. अरब सागर में स्थित भारत का कौन-सा केंद्र शासित प्रदेश पूरी तरह से प्रवाल निक्षेपों (Coral Deposits/Atolls) से निर्मित द्वीपों का समूह है? (भूगोल)
उत्तर: लक्षद्वीप समूह (Lakshadweep)
व्याख्या: लक्षद्वीप समूह भारत के दक्षिण-पश्चिमी तट से दूर अरब सागर में स्थित एक द्वीप समूह है, जो कुल 32 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैले 36 छोटे-छोटे प्रवाल द्वीपों (एटोल) से बना है। इसकी प्रशासनिक राजधानी 'कवारत्ती' है। यह द्वीप समूह चूना स्रावित करने वाले सूक्ष्म समुद्री जीवों (प्रवाल पॉलीप्स) के कंकालों के जमाव से लाखों वर्षों में निर्मित हुआ है। यहाँ पिट्टी द्वीप पर एक प्रसिद्ध पक्षी अभयारण्य स्थित है। 1973 से पूर्व इसे लक्कादीव, मिनिकॉय और अमीनदीवी द्वीप के नाम से जाना जाता था।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 2 "भारत का भौतिक स्वरूप", p. 14–15;

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्य की लोक सेवाओं में कार्यपालिका को न्यायपालिका से पूर्णतः पृथक करने का निर्देश देता है? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 50 (Article 50)
व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-IV में सन्निहित 'राज्य की नीति के निदेशक तत्व' (DPSP) के अंतर्गत अनुच्छेद 50 में स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि राज्य सार्वजनिक सेवाओं में न्यायपालिका को कार्यपालिका से अलग रखने के लिए कदम उठाएगा। यह प्रावधान मोंटेस्क्यू के 'शक्ति पृथक्करण सिद्धांत' (Separation of Powers) को सुदृढ़ करता है ताकि न्यायिक व्यवस्था स्वतंत्र, निष्पक्ष और राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त रह सके। यह लोकतांत्रिक शासन प्रणाली के 'मूल ढांचे' (Basic Structure) का एक अनिवार्य अंग है।
संदर्भ: Constitution of India, Part IV, Article 50; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 2 "भारतीय संविधान में अधिकार", p. 42–45;

प्र.8. मानव रक्त की लाल रक्त कोशिकाओं (RBC) में पाया जाने वाला वह कौन-सा लौह-युक्त श्वसन वर्णक है जो फेफड़ों से शरीर के सभी ऊतकों तक ऑक्सीजन का परिवहन करता है? (विज्ञान)
उत्तर: हीमोग्लोबिन (Haemoglobin)
व्याख्या: हीमोग्लोबिन लाल रक्त कणिकाओं में पाया जाने वाला एक जटिल प्रोटीन-लौह युक्त यौगिक है। इसकी ऑक्सीजन के साथ बंधुता अत्यंत उच्च होती है। फेफड़ों की कुपिकाओं (Alveoli) में यह ऑक्सीजन के साथ मिलकर अस्थायी यौगिक 'ऑक्सी-हीमोग्लोबिन' बनाता है और रक्त परिसंचरण के माध्यम से शरीर के प्रत्येक ऊतक और कोशिका तक ऑक्सीजन पहुँचाता है, जहाँ यह कोशिकीय श्वसन के लिए मुक्त हो जाता है। हीमोग्लोबिन की कमी से शरीर में 'एनीमिया' (रक्तल्पता) रोग हो जाता है, जिससे थकान और दुर्बलता आती है।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 6 "जैव प्रक्रम" (Life Processes), p. 115–117;

प्र.9. ओडिशा के पुरी जिले में स्थित 13वीं शताब्दी का कौन-सा भव्य सूर्य मंदिर अपनी रथ-आकार की कलिंग स्थापत्य शैली और 24 नक्काशीदार चक्रों के लिए प्रसिद्ध है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: कोणार्क सूर्य मंदिर (ब्लैक पैगोडा)
व्याख्या: कोणार्क का सूर्य मंदिर 13वीं शताब्दी (लगभग 1250 ई.) में पूर्वी गंग वंश के प्रतापी राजा नरसिंह देव प्रथम द्वारा बनवाया गया था। यह मंदिर सूर्य देव के एक विशाल पाषाण-निर्मित रथ के रूप में डिज़ाइन किया गया है, जिसमें 12 जोड़ी (24) अलंकृत पहिए और सात खींचते हुए घोड़े तराशे गए हैं। ये पहिए धूप-घड़ी (Sundial) का कार्य करते हैं। इसकी गहरे रंग की संरचना के कारण यूरोपीय नाविक इसे 'ब्लैक पैगोडा' कहते थे। वर्ष 1984 में इसे यूनेस्को द्वारा 'विश्व धरोहर स्थल' घोषित किया गया।
संदर्भ: NCERT History Class 7 (हमारे अतीत-2), Ch 5 "शासक और इमारतें", p. 62–66;

प्र.10. तिब्बत और नेपाल के हिमालय से निकलकर उत्तरी बिहार में प्रवेश करने वाली वह कौन-सी नदी है जो अपने लगातार मार्ग परिवर्तन और विनाशकारी बाढ़ के लिए 'बिहार का शोक' कहलाती है? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: कोसी नदी (Kosi River)
व्याख्या: कोसी नदी हिमालय की तीन प्रमुख जलधाराओं (अरुण, तमोर और सुनकोसी) के संगम से बनती है और बिहार के सुपौल जिले से राज्य में प्रवेश करती है। भारी गाद (Silt) लाने के कारण इसका तल उथला हो जाता है, जिससे यह पिछले 200 वर्षों में 150 किमी से अधिक पश्चिम की ओर खिसकी है। मानसून में इसके अनियंत्रित जलप्लावन से उत्तर बिहार के सुपौल, सहरसा, मधेपुरा और खगड़िया जिलों में व्यापक जन-धन की हानि होती है। इसी कारण इसे ऐतिहासिक रूप से 'बिहार का शोक' (Sorrow of Bihar) कहा जाता है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 20–22;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'सुरक्षित शनिवार' कार्यक्रम (अगस्त W4: नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव) के अनुसार नाव यात्रा के दौरान प्रत्येक यात्री को कौन-सा व्यक्तिगत सुरक्षा साधन पहनना अनिवार्य है और डूबते व्यक्ति को बचाने हेतु सर्वप्रथम क्या करना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: लाइफ जैकेट पहनना; रस्सी/प्लास्टिक गैलन फेंकना (स्वयं पानी में न कूदें)

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' मॉड्यूल के अनुसार, नाव दुर्घटनाओं और डूबने से बचाव हेतु मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल निर्धारित हैं: (1) नाव पर चढ़ने से पूर्व क्षमता की जांच करें और प्रत्येक व्यक्ति अनिवार्य रूप से BIS-प्रमाणित 'लाइफ जैकेट' (Life Jacket) पहने; (2) नाव के हिलने-डुलने पर खड़े न हों और शांत बैठें; (3) यदि कोई व्यक्ति डूब रहा हो, तो बिना तैराकी व सुरक्षा ज्ञान के पानी में कदापि न कूदें; (4) किनारे से लंबी रस्सी, बांस, हवा भरा ट्यूब, या खाली बंद प्लास्टिक गैलन उसकी ओर फेंकें; (5) पानी से निकालने के उपरांत सांस न आने पर तुरंत कृत्रिम श्वसन (CPR) दें।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module August W4 – "नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के संदर्भ में जानकारी";

प्र.12. एक कक्षा में 30 छात्र हैं। यदि 18 छात्र विज्ञान क्लब में हैं, 15 छात्र गणित क्लब में हैं, और 5 छात्र दोनों में से किसी भी क्लब में नहीं हैं, तो कितने छात्र विज्ञान और गणित दोनों क्लबों में शामिल हैं? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 8 छात्र

व्याख्या: यह समुच्चय सिद्धांत (Set Theory / Venn Diagram) पर आधारित तार्किक तर्कशक्ति का प्रश्न है। कुल छात्र = 30। किसी भी क्लब में न होने वाले छात्र = 5। अतः कम से कम एक क्लब में शामिल कुल छात्र $n(A \cup B) = 30 - 5 = 25$ छात्र। विज्ञान क्लब के छात्र $n(A) = 18$ और गणित क्लब के छात्र $n(B) = 15$। सूत्र: $n(A \cup B) = n(A) + n(B) - n(A \cap B)$। मान रखने पर: $25 = 18 + 15 - n(A \cap B) \Rightarrow 25 = 33 - n(A \cap B) \Rightarrow n(A \cap B) = 33 - 25 = 8$। अतः 8 छात्र दोनों क्लबों में शामिल हैं।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 11, Ch 1 "Sets" (समुच्चय), p. 24–27;

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

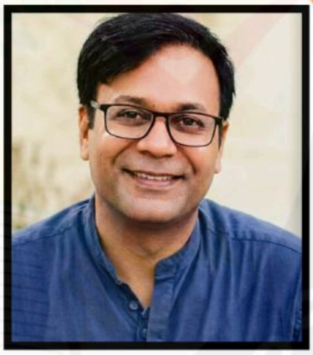

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Amiable (एमिएबल) = Friendly (फ्रेंडली) = मिलनसार / सौम्य
  Antonym – Hostile (हॉस्टाइल) = शत्रुतापूर्ण

Beguile (बिगाइल) = Deceive (डिसीव) = छलना / बहकाना
  Antonym – Enlighten (एनलाइटन) = सही जानकारी देना / प्रबुद्ध करना

Cursory (कर्सरी) = Hasty (हेस्टी) = सरसरी / जल्दबाजी में किया गया
  Antonym – Thorough (थरो) = गहन / पूर्ण

Dwindle (ड्विन्डल) = Decline (डिक्लाइन) = धीरे-धीरे कम होना
  Antonym – Increase (इन्क्रीज़) = बढ़ना

Exorbitant (इग्ज़ॉर्बिटेन्ट) = Excessive (एक्सेसिव) = अत्यधिक / बहुत महँगा
  Antonym – Reasonable (रीज़नेबल) = उचित / वाजिब

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: Ministry of Electronics and IT Unveils 'National Semiconductor Design and Fabrication Corridor 2026' to Boost Commercial Chip Output.
हिन्दी अनुवाद: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने वाणिज्यिक चिप उत्पादन को गति देने के लिए 'राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण गलियारा 2026' का अनावरण किया।
भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला का प्रमुख केंद्र बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने नई विनिर्माण नीति अधिसूचित की है। इसके तहत सिलिकॉन वेफर फैब्रिकेशन (Fab) इकाइयों, उन्नत पैकेजिंग हब और चिप डिजाइनिंग स्टार्टअप्स को अतिरिक्त वित्तीय अनुदान तथा राष्ट्रीय उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग नेटवर्क की सीधी पहुंच उपलब्ध कराई जाएगी।

English Headline: NITI Aayog Releases 'State Clean Logistics & Freight Decarbonization Index 2026', Highlighting Multi-Modal Rail Integration.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने मल्टी-मॉडल रेल एकीकरण को रेखांकित करते हुए 'राज्य स्वच्छ रसद एवं माल ढुलाई डीकार्बोनाइजेशन सूचकांक 2026' जारी किया।
नीति आयोग द्वारा जारी नवीनतम रिपोर्ट में समर्पित माल गलियारों (DFC) के पूर्ण उपयोग, ग्रीन फ्रेट कॉरिडोर्स के विस्तार और औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला में इलेक्ट्रिक व सीएनजी वाणिज्यिक बेड़ों के त्वरित क्रियान्वयन के मामले में गुजरात, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है।

English Headline: ISRO Successfully Conducts Full-Duration Hot Test of Upgraded Cryogenic Stage for Heavy Satellite Launches.
हिन्दी अनुवाद: इसरो ने भारी उपग्रह प्रक्षेपणों के लिए उन्नत क्रायोजेनिक चरण का पूर्ण-अवधि हॉट परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने तमिलनाडु के महेंद्रगिरि स्थित इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स (IPRC) में उच्च-थ्रस्ट क्रायोजेनिक अपर स्टेज का सफल परीक्षण किया। यह उपलब्धि भारत के नेक्स्ट-जेनरेशन लॉन्च व्हीकल्स (NGLV) और आगामी गहरे अंतरिक्ष विज्ञान अभियानों के लिए पेलोड क्षमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएगी।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: UN General Assembly Adopts Historic Resolution Establishing 'Global Norms for Responsible Governance of Generative AI Systems'.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 'जेनेरेटिव एआई प्रणालियों के जिम्मेदार शासन के लिए वैश्विक मानदंड' स्थापित करने वाला ऐतिहासिक प्रस्ताव अपनाया।
न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित विशेष पूर्ण सत्र में सदस्य देशों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के सुरक्षित, पारदर्शी और नैतिक उपयोग के लिए एक अंतरराष्ट्रीय रूपरेखा को सर्वसम्मति से स्वीकार किया। इसका उद्देश्य डेटा गोपनीयता की सुरक्षा सुनिश्चित करना और विकासशील देशों में डिजिटल असमानता को कम करना है।

English Headline: World Bank and Asian Development Bank Commit Joint $3.2 Billion Fund for South Asian Climate-Resilient Water Infrastructure.
हिन्दी अनुवाद: विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक ने दक्षिण एशियाई जलवायु-लचीले जल बुनियादी ढांचे के लिए संयुक्त $3.2 बिलियन के कोष की घोषणा की।
गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु बेसिन के तटीय तथा नदी क्षेत्रों में चरम मौसम की घटनाओं, बाढ़ सुरक्षा तटबंधों और पूर्व-चेतावनी प्रणालियों के आधुनिकीकरण के लिए यह बहुपक्षीय वित्तीय पैकेज मंजूर किया गया है। यह राशि भारत, नेपाल और बांग्लादेश में सतत जल संसाधन प्रबंधन को गति प्रदान करेगी।

English Headline: World Health Organization (WHO) Activates 'Global Vector-Borne Disease Early Warning Network 4.0' to Tackle Climate Risks.
हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने जलवायु जोखिमों से निपटने के लिए 'वैश्विक कीट-जनित रोग पूर्व चेतावनी नेटवर्क 4.0' सक्रिय किया।
वैश्विक तापमान में वृद्धि और अप्रत्याशित वर्षा चक्रों के कारण डेंगू, मलेरिया और जीका जैसी बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए डब्ल्यूएचओ ने जिनेवा में एक उन्नत डिजिटल निगरानी प्रणाली शुरू की है। यह नेटवर्क रीयल-टाइम डेटा का विश्लेषण करके संभावित महामारी हॉटस्पॉट्स की पूर्व पहचान करेगा।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Cabinet Approves 'Mukhyamantri Agro-Processing & GI-Cluster Development Policy 2026' with Export Subsidies.
हिन्दी अनुवाद: बिहार कैबिनेट ने निर्यात सब्सिडी के साथ 'मुख्यमंत्री कृषि-प्रसंस्करण एवं जीआई-क्लस्टर विकास नीति 2026' को मंजूरी दी।
राज्य के पारंपरिक और भौगोलिक संकेतक (GI) प्रमाणित कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन (Value Addition) को बढ़ावा देने के लिए बिहार सरकार ने वित्तीय प्रोत्साहन योजना स्वीकृत की है। इसके तहत मिथिला मखाना, मुजफ्फरपुर की शाही लीची, कतरनी चावल और भागलपुरी जर्दालु आम के आधुनिक प्रसंस्करण और निर्यात इकाइयों को विशेष सब्सिडी दी जाएगी।

English Headline: Bihar Department of Environment, Forest and Climate Change Initiates Geo-Spatial Wetland Survey in Gandak Basin.
हिन्दी अनुवाद: बिहार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने गंडक बेसिन में भू-स्थानिक आर्द्रभूमि सर्वेक्षण शुरू किया।
उत्तर-पश्चिमी बिहार की प्राकृतिक आर्द्रभूमियों (Wetlands) और संवेदनशील जल निकायों के संरक्षण के लिए वन विभाग ने सैटेलाइट-आधारित रिमोट सेंसिंग मैपिंग अभियान शुरू किया है। इसका मुख्य उद्देश्य आर्द्रभूमि क्षेत्रों के अतिक्रमण को रोकना, जैव विविधता का संरक्षण और क्षेत्रीय भूजल स्तर को सुधारना है।

SPORTS NEWS

English Headline: Indian Shooting Contingent Tops Medal Tally at ISSF Junior World Cup with Multiple Gold in Pistol Events.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय निशानेबाजी दल ने पिस्टल स्पर्धाओं में कई स्वर्ण पदकों के साथ आईएसएसएफ (ISSF) जूनियर विश्व कप की पदक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त किया।
अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय युवा निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर रैपिड फायर स्पर्धाओं में उत्कृष्ट स्कोर के साथ स्वर्ण और रजत पदक हासिल किए, जिससे भारत ने समग्र पदक तालिका में पहला स्थान बनाए रखा।

English Headline: Badminton World Federation (BWF) Mandates Enhanced Real-Time Sensor Tracking for Line Calls and Player Recovery.
हिन्दी अनुवाद: बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) ने लाइन कॉल्स और खिलाड़ी रिकवरी के लिए उन्नत रियल-टाइम सेंसर ट्रैकिंग को अनिवार्य किया।
अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन मैचों में निर्णयों की सटीकता बढ़ाने और खिलाड़ियों की चोटों से सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बीडब्ल्यूएफ ने तकनीकी नियमों को अद्यतन किया है। नए मानकों के तहत कोर्ट बाउंड्री पर स्मार्ट सेंसर और टूर्नामेंट्स के बीच अनिवार्य रिकवरी प्रोटोकॉल लागू किए गए हैं।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"खबरें केवल वर्तमान का दर्पण नहीं होतीं, बल्कि वे भविष्य के अवसरों और चुनौतियों को समझने की दृष्टि प्रदान करती हैं। निरंतर पढ़ते रहें और जागरूक रहें।"

अनुभाग-6

प्रेरक बाल एकांकी
सुरक्षित नाव, सुरक्षित सफर
(सुरक्षित शनिवार विशेष)
विषय: नाव दुर्घटना एवं डूबने से बचाव

पात्र: शिक्षक, अंश, आमना, प्रियांशु । स्थान: विद्यालय का प्रांगण

शिक्षक: बच्चों! आज सुरक्षित शनिवार के अंतर्गत हम नाव दुर्घटना और डूबने से बचाव के बारे में बात करेंगे। हमारे आसपास नदी, नहर या जलाशय हैं। बरसात के दिनों में इनका जलस्तर बढ़ जाता है। थोड़ी-सी लापरवाही जानलेवा हो सकती है।

अंश: सर, अगर हमें नाव से नदी पार करनी हो तो किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

शिक्षक: सबसे पहले ऐसी नाव में बैठो जो सुरक्षित हो और जिसमें क्षमता से अधिक लोग न हों। नाविक के निर्देशों का पालन करो और नाव में चढ़ते-उतरते समय धक्का-मुक्की बिल्कुल मत करो।

आमना: सर, क्या नाव में बैठकर मोबाइल से वीडियो बना सकते हैं?

शिक्षक: नहीं। सेल्फी या वीडियो बनाने के चक्कर में नाव के किनारे खड़ा होना या झुकना बहुत खतरनाक है। नाव में बैठकर संतुलन बनाए रखना जरूरी है।

प्रियांशु: और अगर नाव पलटने लगे तो?

शिक्षक: घबराओ नहीं। यदि उपलब्ध हो तो जीवन रक्षक जैकेट पहनना सबसे सुरक्षित है। नाविक के निर्देशों का पालन करो और तैरकर किनारे जाने की कोशिश तभी करो जब ऐसा करना सुरक्षित हो।

अंश: सर, तालाब या नदी में कोई डूब रहा हो तो क्या हम उसे बचाने के लिए तुरंत पानी में कूद जाएँ?

शिक्षक: बिल्कुल नहीं! बिना प्रशिक्षण के पानी में कूदना बचाने वाले की जान भी खतरे में डाल सकता है। पहले शोर मचाकर लोगों को बुलाओ, तुरंत परिवार, शिक्षक या स्थानीय आपात सहायता को सूचना दो और संभव हो तो रस्सी, डंडा या कोई तैरने वाली वस्तु किनारे से उसकी ओर बढ़ाओ।

आमना: यानी असली बहादुरी जल्दबाजी नहीं, समझदारी है!

शिक्षक: बिल्कुल। याद रखो—गहरे पानी से दूरी, नाव में सावधानी और संकट में समझदारी—यही जीवन की सुरक्षा है।

सभी बच्चे: “नदी-तालाब में सावधानी अपनाएँ, नाव में सुरक्षा नियम निभाएँ।
जान है अनमोल हमारी, सुरक्षा की जिम्मेदारी हमारी!”

शिक्षक: आज का हमारा संकल्प—हम स्वयं सुरक्षित रहेंगे और दूसरों को भी सुरक्षित रहने के लिए जागरूक करेंगे।

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

लोक नृत्य "झारी"

चम्पारण की खास लोक संगीत/नृत्य "झारी"

बिहार के तराई और चंपारण की सोंधी माटी में सावन की फुहारों के बीच जब हवाएं सरसराती हैं, तो वहां की चौपालों और सड़कों पर गूंजने वाली छड़ियों की 'खट-खट' की ताल सिर्फ एक आवाज़ नहीं, बल्कि सदियों पुरानी सांस्कृतिक जीवंतता की धड़कन है। गुजरात के डांडिया या देश के अन्य हिस्सों के पारंपरिक लाठी नृत्यों के समकक्ष खड़ी यह स्वदेशी लोककला "झारी" कहलाती है, जो मुख्य रूप से श्रावण मास, नागपंचमी और कजरी के उल्लासभरे दिनों में अपनी पूरी ऊर्जा के साथ प्रकट होती है। यह नृत्य और गीत का एक ऐसा अनूठा संगम है जिसमें ग्रामीण समाज की सादगी, खेतों की महक और सामूहिक आनंद का असीम विस्तार समाहित है।

झारी की जड़ें चंपारण के कृषि समाज और श्रम-संस्कृति के बहुत गहरे में उतरी हुई हैं। ऐतिहासिक रूप से, धान की कठिन रोपनी के थकान भरे दिनों के बाद जब सावन की रिमझिम फुहारें वातावरण को सुहाना बनाती थीं, तब ग्रामीण युवा और किसान शाम ढलते ही चौपालों पर एकत्र होते थे। यह नृत्य उनके लिए केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि शारीरिक स्फूर्ति और मानसिक उल्लास का माध्यम था। इसमें जाति, वर्ग और उम्र के बंधन स्वतः टूट जाते थे और पूरा गांव एक गोल घेरे में आकर हाथ में मजबूत बांस की छड़ियां थाम लेता था। मौखिक परंपराओं के जरिए पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होती यह लोक शैली भगवान शिव की बारात, कृष्ण-लीला, प्रकृति के सौंदर्य और लोक-नायकों के आख्यानों को अपने गीतों के जरिए जीवंत रखती आई है।

झारी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसकी पहचान केवल किसी एक समुदाय की सांस्कृतिक सीमा में बंद नहीं रही। उपलब्ध लोक-साहित्य संबंधी दस्तावेजों में पूर्वांचल की ऐसी परंपराओं का उल्लेख मिलता है, जिनमें हिन्दू समुदाय के लोग मुहर्रम के अवसर पर भी झारी गाते, ताजिया बनाते अथवा उसमें सहभागी होते रहे हैं। लोकरंग की सामग्री में इस साझा परंपरा का प्रत्यक्ष उल्लेख मिलता है और यह भी बताया गया है कि मुहर्रम में झारी लकड़ी के डंडों को बजाकर गाई जाती है। मुहर्रम की ऐतिहासिक-सांस्कृतिक स्मृति, विशेषकर हसन और हुसैन की कथा, संघर्ष और शहादत, लोकभाषा और लोकधुन के माध्यम से सामान्य ग्रामीण समाज तक पहुँचती है। कई जगह झारी गीतों में हसन-हुसैन को योगी के रूप में प्रस्तुत करने वाले लोकगीत का भी उल्लेख मिलता है।

इस लोक शैली की सबसे बड़ी खूबी इसका आंतरिक संगीत और अद्वितीय रिदम है। झारी में किसी बड़े, भारी या कृत्रिम वाद्य यंत्र की अनिवार्यता नहीं होती; कलाकारों के हाथों में लहराती छड़ियों का आपसी टकराव ही वह प्राकृतिक ताल पैदा करता है जो रोंगटे खड़े कर देने वाली ऊर्जा भर देता है। इसमें 'अगुआ' (मुख्य गायक) द्वारा उठाई गई लोकगीत की एक पंक्ति को घेरे में घूम रहे बाकी साथी 'पछुवा' (कोरस) के रूप में एक निश्चित ताल और तीव्र गति से दोहराते हैं। नृत्य की शुरुआत जहां एक धीमी, अनुशासित और संयत लय से होती है, वहीं जैसे-जैसे रात गहरी होती है, इसका टेम्पो (गति) इतना द्रुत और मत्त करने वाला हो जाता है कि दर्शक और कलाकार दोनों लोक-लय की एक अलग ही दुनिया में पहुंच जाते हैं।

विडंबना यह है कि आधुनिकता की अंधी दौड़, मनोरंजन के नए साधनों और पारंपरिक मेलों व चौपालों के सिमटते दायरे ने चंपारण की इस अनमोल थाती को आज विलुप्ति के मुहाने पर ला खड़ा किया है। राज्य के सांस्कृतिक मानचित्र पर इसे वह आधिकारिक पहचान और आदर नहीं मिल पाया जिसकी यह हकदार थी। इसके पारंपरिक गीतों, धुनों और नृत्यों के चरणों का कोई ठोस डिजिटल या लिखित दस्तावेजीकरण न होने के कारण यह कला अब चंपारण के कुछ सुदूर गांवों के बुजुर्गों की स्मृतियों तक सिमट कर रह गई है। यदि समय रहते इसे संरक्षित नहीं किया गया, तो आने वाली पीढ़ियां इस समृद्ध विरासत को केवल किंवदंतियों के रूप में ही जान पाएंगी।

बिहार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, स्थानीय प्रशासन, विश्वविद्यालयों, विद्यालयों और सांस्कृतिक संगठनों के सहयोग से यदि ऐसे प्रयास किए जाएँ तो झारी जैसी लोकपरंपराएँ केवल संग्रहालय की वस्तु बनने से बच सकती हैं। युवा पीढ़ी इन्हें डिजिटल माध्यम, लोक-मंच, वृत्तचित्र और शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से नए दर्शकों तक पहुँचा सकती है।

इस अनमोल लोक-विरासत को बचाने के लिए अब केवल चिंता व्यक्त करने का नहीं, बल्कि युद्धस्तर पर सार्थक पहल करने का समय है। बिहार सरकार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग को चाहिए कि वे राजकीय महोत्सवों, लोक-उत्सवों और पर्यटन सर्किट में झारी के पारंपरिक दलों को मंच और प्रोत्साहन प्रदान करें, ताकि कलाकारों को आर्थिक संबल भी मिल सके।

साथ ही, आज की Gen Z और युवा पीढ़ी से यह गंभीर आह्वान है कि वे अपनी जड़ों से कटने के बजाय इस स्वदेशी ताल को अपनी आधुनिक सांस्कृतिक पहलों, डिजिटल रील्स और फ्यूजन संगीत का हिस्सा बनाएं। जब तक युवा अपनी मिट्टी की इस अनूठी लय पर गर्व करना नहीं सीखेंगे, तब तक हमारी लोक-पहचान अधूरी रहेगी। झारी को बचाना केवल एक विलुप्त होती कला को पुनर्जीवित करना नहीं है, बल्कि अपनी उस सामूहिक सांस्कृतिक आत्मा को बचाना है जो हमें हमारी पहचान से जोड़ती है।

...................✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

संडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छूट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

"सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

"बिहार दर्शन : अरवल, अंक–3"

'संपादकीय'✍️

शीर्षक: अरवल: लाल बालू का खनन, कृषि आर्थिकी और भावी विकास

अरवल की सांस्कृतिक और सामाजिक समरसता का हृदय सोन नदी के शांत तटों, मधुश्रवा धाम के पावन जल और ग्रामीण लोक-जीवन में धड़कता है। सावन के महीने में मधुश्रवा में उमड़ने वाली काँवरियों की भीड़ और स्थानीय छठ पर्व की छटा पूरे जिले को एक सांस्कृतिक सूत्र में पिरोती है। इसके साथ ही, सोन कछार के मल्लाह, कृषक और कारीगर समाज की साझी लोक-परंपराएँ यहाँ के सामाजिक ताने-बाने को निरंतर संबल प्रदान करती हैं।

आर्थिक और औद्योगिक मोर्चे पर अरवल की सबसे बड़ी पहचान 'सोन का लाल बालू खनन' (Red Sand Mining) है। सोन नदी के विस्तृत रेतीले घाटों (जैसे कलेर, कुर्था और अरवल सदर के तट) से निकलने वाला उच्च गुणवत्ता का लाल बालू बिहार के निर्माण उद्योग की रीढ़ है। प्रतिदिन सैकड़ों ट्रकों के माध्यम से पटना, जहानाबाद, नालंदा और झारखंड की मंडियों तक बालू की आपूर्ति की जाती है। यह उद्योग स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर परिवहन, लोडिंग और सहायक व्यापारों को वित्तीय तरलता (Cash Flow) प्रदान करता है।

कृषि और ग्रामीण आर्थिकी की बात करें तो अरवल सोन नहर प्रणाली (Son Canal) से सिंचित होने के कारण अत्यधिक उत्पादक कृषि क्षेत्र है। यहाँ मुख्य रूप से धान, गेहूं और दलहन (चना, मसूर) की बंपर पैदावार होती है। सोन के कछारों में उगाई जाने वाली मौसमी सब्जियाँ, तरबूज और ककड़ी स्थानीय बाजारों में त्वरित नकद आमदनी का मुख्य जरिया बनती हैं। इसके साथ ही, दुग्ध उत्पादन और पशुपालन ग्रामीण परिवारों की आजीविका को अतिरिक्त मजबूती देता है।

ढांचागत विकास और कनेक्टिविटी के मोर्चे पर अरवल का स्थान अत्यंत रणनीतिक है। एनएच-139 (पटना-औरंगाबाद-हरिहरगंज मार्ग) जिले के बीच से गुजरता है, जो इसे राजधानी पटना और जीटी रोड (NH-19) से सीधे जोड़ता है। सोन नदी पर बने पक्के पुलों ने अरवल और भोजपुर (शाहाबाद) के बीच व्यापारिक दूरी को समाप्त कर दिया है, जिससे कृषि उत्पादों की अंतर-जिला आवाजाही काफी सुगम हो गई है।

भविष्य के आर्थिक रोडमैप की बात करें तो अरवल में 'एग्रो-प्रोसेसिंग क्लस्टर्स' और 'सस्टेनेबल माइनिंग मैनेजमेंट' की अपार संभावनाएँ हैं। धान और गेहूं की प्रचुरता को देखते हुए आधुनिक राइस मिलों, आटा मिलों और दाल प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना से स्थानीय उपज का मूल्यवर्धन (Value Addition) किया जा सकता है। इसके साथ ही, मधुश्रवा धाम को मगध के टूरिस्ट सर्किट से जोड़कर और सोन नदी के किनारे हरित रिवरफ्रंट विकसित कर स्थानीय युवाओं के लिए रोज़गार के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं।

अरवल का यह अंतिम अंक यह प्रमाणित करता है कि यह छोटा सा जिला अपने कृषि सामर्थ्य, सोन की प्राकृतिक संपदा और स्वाधीनता संग्राम की वीर गाथाओं के बल पर बिहार की आर्थिकी में ठोस योगदान दे रहा है। मधुश्रवा की पावन जलधारा से लेकर सोन के सुनहरे पाट तक, लहलहाते धान के खेतों से लेकर एनएच-139 की गति तक—अरवल स्वावलंबन और विकास का एक सशक्त मॉडल प्रस्तुत करता है।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार
'प्रधान शिक्षक'
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)
📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080
teachersofbihar@gmail.com
+917250818080
www.teachersofbihar.org